भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 29

उत्तर देने की तारीख : 03 फरवरी, 2020

अनुभवात्मक संग्रहालयों का विकास

29. श्रीमती अपराजिता सारंगी :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार जिन 100 अनुभवात्मक संग्रहालयों को विकसित करने की योजना बना रही है उनका ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इनमें से कोई संग्रहालय ओडिशा में स्थित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पंचवर्षीय योजना के एक भाग के रूप में उन ऐतिहासिक स्थलों का ब्यौरा क्या है जिन्हें 'प्रामाणिक पुनर्निर्माण' उद्यम के लिए चुना गया है; और

(घ) प्रस्तावित भारतीय संस्कृति संस्थान और राष्ट्रीय कला प्रदर्शन केंद्र की संरचना और कार्यों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

(श्री प्रह्लाद सिंह पटेल)

संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(क) और (ख) : वर्ष 2016 में, संस्कृति मंत्रालय को कम से कम 50 स्थानों पर आभासी संग्रहालय स्थापित करने का कार्य दिया गया था।

तत्पश्चात, संस्कृति मंत्रालय ने तीन आभासी अनुभजन्य संग्रहालय विकसित किए हैं :- वाराणसी में मान महल, राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली में अजन्ता गुफाएं और दिल्ली में हुमायूं मकबरा (अंतिम दो निर्माणाधीन हैं)। संस्कृति मंत्रालय का वडनगर, गुजरात में राष्ट्रीय आभासी अनुभजन्य स्थल संग्रहालय स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। वर्तमान में, ओडिशा में कोई भी आभासी अनुभवजन्य संग्रहालय स्थापित नहीं है।

(ग) : पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसिद्ध स्थलों का विकास' नामक स्कीमों के अंतर्गत विभिन्न विरासत गंतव्य स्थानों पर पर्यटन अवसंरचना का विकास किया है।

इन दोनों स्कीमों के अंतर्गत, मुख्य उद्देश्य है पहचान किए गए गंतव्य स्थलों को अवसंरचना और सेवाओं के व्यापक विस्तार के अनुरूप आदर्श पर्यटन गंतव्य स्थलों के रूप में विकसित करना।

तथापि, उपर्युक्त दोनों स्कीमों के तहत ऐतिहासिक स्थलों के पुनर्निर्माण से संबंधित कोई भी हस्तक्षेप अनुमेय नहीं है।

(घ) : भारतीय संस्कृति संस्थान : भारतीय संस्कृति संस्थान की स्थापना का कार्य अभी इसकी रूपरेखा तैयार करने के स्तर पर है। वर्तमान में ऐसी कोई समिति तैयार/गठित नहीं की गई है। इस अवधारणा को औपचारिक रूप दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय मंच कला केन्द्र : चूंकि दिल्ली में अधिक लोगों की बैठने की क्षमता वाला कोई बड़ा सभागार उपलब्ध नहीं है, इसलिए संस्कृति मंत्रालय द्वारा यह प्रस्ताव दिया गया था कि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) परिसर में कैफेटेरिया, पुस्तक विक्रय केन्द्र आदि जैसी सहायक सार्वजनिक सुविधाओं सहित 1800 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक मंच कला सभागार निर्मित किया जा सकता है। तथापि, अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

***